by the Department of Industrial Policy and Promotion.

(f) The Government helps sugar mills to improve their working by availing of concessional finance from Sugar Development Fund for rehabilitation, modernisation and upgradation of capacity. Upto 30.6.97, 166 sugar mills had been sanctioned loans from Sugar Development Fund amounting to Rs. 609.17 crores. Besides, 355 units were also sanctioned Cane Development Loans amounting to Rs. 485.22 crores.

**Statement**

| S.No. | State | No. of Applications pending |
|---|---|---|
| 1. | Madhya Pradesh | 24 |
| 2. | Maharashtra | 13 |
| 3. | U.P. | 73 |
| 4. | Punjab | 3 |
| 5. | Nagaland | 1 |
| 6. | Himachal Pradesh | 1 |
| 7. | Tamil Nadu | 7 |
| 8. | Karnataka | 12 |
| 9. | Andhra Pradesh | 12 |
| 10. | Pondicherry | 1 |
| 11. | Jammu & Kashmir | 1 |
| 12. | Haryana | 2 |
| | Total | 150 |

**Sub-Standard Sugar Diverted to Mumbai for sale in Open Market**

494. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Merchant vessel carrying about 1000 tonnes of sub-standard sugar which was rejected by the Lankan authorities was diverted to the Mumbai harbour for unloading its cargo for sale of sugar in the open market; and

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI RAGHUBANS PRASAD SINGH): (a) and (b) A consignment of 1335 tonnes of sugar was brought to Mumbai port on MV Natalie on 13.4.1997. The consignment was unloaded from MV Natalie in stream into barge 'Prosper' under customs permission and supervision on 15.5.1997. The barge has been at berth in Prince's Dock from 12.6.97. As per the certificate issued Food and Drug Administration, Government of Maharashtra, the sugar is moist, stick with fermented shell and hence unfit for human consumption. The sugar is still lying loaded on the barge awaiting disposal.

**Strengthening the infrastructure of Consumer Courts**

495. SHRI SANJAY NIRUPAM: SHRI MUKESH R. PATEL: Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had granted financial assistance to the State Governments for strengthening the infrastructure of Consumer Courts;

(b) whether it is also a fact that Maharashtra Government could not utilise the allocated fund for this; and

(c) if so, whether State Government has requested Central Government to consider the reallocation of financial assistance for strengthening the infrastructure of Consumer Courts?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI RAGHUBANS PRASAD SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) Yes, Sir. Request of the Maharashtra Government regarding

revalidation of the unutilised grant has been duly approved by the Central Government.

**10 किलोग्राम अनाज प्रदान करने की सार्वजनिक वितरण प्रणाली का कार्यान्वयन**

496. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या **खाद्य और उपभोक्ता मामले** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) किन-किन राज्यों में आधे मूल्य पर प्रति परिवार 10 किलोग्राम अनाज प्रदान करने की योजना कार्यान्वित की गई है;

(ख) इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित होने वाले परिवारों की राज्य-वार संख्या कितनी-कितनी है;

(ग) सस्ते मूल्य पर दिए जा रहे अनाज की राज्य-वार दर क्या है; और

(घ) किन-किन राज्यों में उक्त योजना लागू नहीं की गई है और इसके क्या कारण हैं?

**खाद्य तथा उपभोक्ता मामले के राज्य मंत्री (श्री रघुवंश प्रसाद सिंह):** (क) गरीबी की रेखा से नीचे के परिवारों को विशेष राजसहायता प्राप्त मूल्यों पर प्रतिमास 10 किलोग्राम खाद्यान्न देने के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना पंजाब, दिल्ली, गोवा और लक्षद्वीप को छोड़कर सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित कर दी गई है।

(ख) इस योजना के अधीन लाभान्वित होने वाले गरीबी की रेखा से नीचे के परिवारों की राज्यवार संख्या विवरण-1 में दी गई है। **(नीचे देखिए)**

(ग) खाद्यान्नों के निर्गम मूल्यों का राज्यवार ब्यौरा दिए गए विवरण-II में दिया गया है। **(नीचे देखिए)**

(घ) यह योजना पंजाब, दिल्ली और गोवा के राज्यों तथा लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ नहीं की गई है। ये राज्य लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक प्रबंध कर रहे हैं जिनमें गरीबी की रेखा से नीचे के परिवारों की पहचान करना, उन्हें राशन कार्ड जारी करना, सतर्कता समितियां गठित करना, आदि शामिल हैं।

## विवरण-I

**लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन लाभान्वित होने वाले गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की राज्य-वार संख्या**

| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों की संख्या (लाख में) |
|---|---|
| आंध्र प्रदेश | 32.65 |
| अरूणाचल प्रदेश | 0.74 |
| असम | 19.06 |
| बिहार | 85.90 |
| गोवा | 0.38 |
| गुजरात | 19.95 |
| हरियाणा | 7.33 |
| हिमाचल प्रदेश | 2.96 |
| जम्मू और कश्मीर | 3.80 |
| कर्नाटक | 28.75 |
| केरल | 15.35 |
| मध्य प्रदेश | 53.34 |
| महाराष्ट्र | 60.45 |
| मणिपुर | 1.08 |
| मेघालय | 1.33 |
| मिजोरम | 0.33 |
| नागालैण्ड | 0.88 |
| उड़ीसा | 31.82 |
| पंजाब | 4.30 |
| राजस्थान | 21.66 |
| सिक्किम | 0.34 |
| तमिलनाडु | 45.79 |
| त्रिपुरा | 2.21 |
| उत्तर प्रदेश | 95.48 |
| पश्चिम बंगाल | 46.59 |
| दिल्ली | 2.96 |
| अंडमान और निकोबार | 0.22 |
| चण्डीगढ़ | 0.18 |
| दादर और नगर हवेली | 0.14 |
| लक्षद्वीप | 0.02 |
| पांडिचेरी | 0.65 |
| जोड़ | 586.64 |